7. कौटिल्य के मतानुसार कल्याणकारी राज्य की अवधारणा का विवेचन कीजिये।

Discuss the concept of 'welfare state' according to Kautilya.

8. किन्ही **दो** पर टिप्पणी करें

Write a note on any **two** :

(i) धर्म के स्त्रोत

Sources of Dharma

(ii) पञ्च महायज्ञ

Pañcha Mahāyajña

(iii) सप्तांग राज्य

Saptāṅga Rājya

(iv) चतुर्विध उपाय

Four fold Upāya

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 2140 **I**

Unique Paper Code : 2132101103

Name of the Paper : Indian Social Institutions and Polity, DSCC-3

Name of the Course : **B.A. (H.) Sanskrit**

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Answer **5** questions in all but attempt at least **two** from each section.
3. **All** questions carry equal marks.
4. Answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. कुल 5 प्रश्नों के उत्तर दीजिए किन्तु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं ।
3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

भाग – 1 (Part 1)

1. प्राचीन भारत में 'धर्म' एक नियामक व्यवस्था थी' । विस्तृत टिप्पणी दें ।

   'Dharma' was a social normative term in ancient India'. Comment in detail.

2. जन्म के पश्चात् होने वाले संस्कारों का विस्तार से वर्णन करें ।

   Describe in detail the 'Saṁskāras to be performed after birth.

3. पुरूषार्थ चतुष्टय से आप क्या समझते हैं? प्रत्येक का विस्तार से वर्णन कीजिये ।

   What do you understand by Puruṣārtha Chatuṣtaya ? Describe each in detail.

4. प्राचीन भारत में वर्ण व्यवस्था के विवध सोपानों का विस्तृत उल्लेख करें ।

   Describe the various stages of Varṇa system in ancient India.

भाग – 2 (Part 2)

5. अन्तर्राज्यीय सम्बन्धों के प्रसंग में मण्डल सिद्धान्त की अवधारणा समझाएँ ।

   Explain the concept of Maṇḍala Theory in the context of interstate relations.

6. षड्गुण सिद्धांतों का निरूपण करके वर्तमान में इसकी प्रासंगिकता का विवेचना कीजिये ।

   Discuss the theory of Śāḍgunya Policy and its contemporary relevance.